# प्रारंभ ने जीती 'साई-फाई 2017' प्रतियोगिता की ट्रॉफी

## साइबर सिक्योरिटी विषय पर प्रतियोगिता महोत्सव का पुरस्कार वितरण

पुणे, साइबर सिक्योरिटी के बारे में जागरूकता लाने हेतु क्विक हील फाउंडेशन द्वारा पुणे साइबर पुलिस के साथ मिल कर एकांकिका प्रतियोगिता के अनोखे महोत्सव का आयोजन था। भरत नाट्य मंदिर में इसके विजेताओं की घोषणा की गई और उन्हें पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रारंभ की 'वाट' एकांकिका 'साई-फाई 2017' ट्रॉफी प्रतियोगिता की घोषित की गई। वहीं 4डायमेंशन और मिशन परफेक्शन क्रमवार द्वितीय व तृतीय रहे।

विजेता टीमों को क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश काटकर, संयुक्त प्रबंध निदेशक और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी संजय काटकर, पुणे पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) और साइबर अपराध के पुलिस उपायुक्त सुधीर हिरेमठ और एक्सप्रेशन लैब के निदेशक प्रदीप वैद्य के हाथों सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पर्ण पेठे, सुयश तिलक, गिरीश जोशी और सुनील सुकथनकर जैसी जानी- मानी फिल्म और टेलीविजन क्षेत्र की हस्तियां उपस्थित थी।

'साई- फाई 2017' ट्रॉफी की प्रविष्टियां सितंबर 2017 में आमंत्रित की गई थी जिसमें पुणे, मुंबई, औरंगाबाद, कोल्हापुर, गोवा और नागपुर इन 6 केंद्रों की टीमें शामिल थी। इसमें 100 से अधिक टीम पंजीकृत हुई और दो महीने की कठोर चयन प्रक्रिया के बाद 20 टीमों ने 22 से 24 दिसंबर से भरत भारत नाट्य मंदिर में होने जा रहे प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले के लिए योग्यता प्राप्त की। इतनी टीमों में से विजेता घोषित करना ज्यूरी पैनल, जिसमें विख्यात फिल्म और नाट्यकर्मी आलोक राजवाडे और अश्विनी गिरी शामिल थे, के लिए काफी कठिन साबित रहा, क्योंकि सभी टीमों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी।

इस अवसर पर क्विक हील के कैलाश काटकर ने कहा, क्विक हील फाउंडेशन में हम समुदाय कल्याण, शिक्षा और साइबर सुरक्षा जनजागरण के क्षेत्र में शाश्वत पहलों को तैयार कर बेहतर दुनिया बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। क्विक हील फाउंडेशन ने 2014 में अपने शुभारंभ के बाद पूरे देश में साइबर सुरक्षा पर 8 लाख से अधिक छात्रों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान किया है। साइबर सुरक्षा समाधान में अग्रणी के तौर पर हम हमेशा डिजिटल दुनिया के अंधेरे पक्ष पर नेटिजंस को शिक्षित करने के लिए विभिन्न रास्ते तलाशते है जिसका परिणाम 'साई- फाई 2017' की स्थापना में हुआ। इसकी सफलता के लिए पुणे सिटी पुलिस, एक्सप्रेशन लैब और पंख एनजीओ का आभार भी उन्होंने जताया।